वर्धमान जिले के गलसी कॉलेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड केंद्रीय विवि के दो शोधार्थी पूजा कुमारी और दौलत कुमार रॉय को सम्मानित किया गया।

शोधार्थी पूजा और दौलत सम्मानित

रांची। पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले स्थित गलसी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित तथा आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड केंद्रीय विवि के शोधार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विवि के दो शोधार्थियों–पूजा कुमारी और दौलत कुमार रॉय को उनके उच्च स्तरीय शोध–पत्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध–पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में देश–विदेश के प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

सीयूजे के शोधार्थियों को मिला श्रेष्ठ पुरस्कार

जागरण संवाददाता, रांची : पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान जिले के गलसी कालेज द्वारा आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड (सीयूजे) के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के शोधार्थियों ने उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। इसका आयोजन भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद ने किया था। पूजा कुमारी और दौलत कुमार राय को उनकी उच्चस्तरीय शोध प्रस्तुतियों के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में शामिल सीयूजे के शोधार्थी व अन्य • स्रोत स्वयं

सम्मेलन की थीम "21वीं सदी में लोकतांत्रिक भारत का वैश्विक उदय: स्वदेशी ज्ञान परंपरा व समावेशी शासन का एकीकरण" थी। इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने इसे एक महत्वपूर्ण बौद्धिक मंच बना दिया। सीयूजे के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग से सहायक प्रोफेसर डा. विभूति भूषण विश्वास के नेतृत्व में शोधार्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में शामिल हुआ। इस प्रतिनिधिमंडल में पूजा कुमारी, अविनाश कुमार, दौलत कुमार राय, बिन्नी कुमारी, ऋषि मरांडी, सोलिका रानी, अभिषेक प्रसाद और डौली कुमारी शामिल थे।

सीयूजे के दो शोधार्थियों को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के दो शोधार्थी पूजा कुमार व दौलत कुमार रॉय को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार मिला है. यह पुरस्कार पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान जिले स्थित गलसी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से 9-10 जनवरी को आयोजित तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद द्वारा प्रायोजित छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिला. सम्मेलन का विषय 21वीं सदी में लोकतांत्रिक भारत का वैश्विक उदय, स्वदेशी ज्ञान परंपरा व समावेशी शासन का एकीकरण था. सीयूजे के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के अंतरराष्ट्रीय प्रोफेसर डॉ विभूति भूषण विश्वास के नेतृत्व में शोधार्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में शामिल हुआ. प्रतिनिधिमंडल में पूजा कुमारी, अविनाश कुमार, दौलत कुमार रॉय, बिन्नी कुमारी, ऋषि मरांडी, सोलिका रानी, अभिषेक प्रसाद तथा डॉली कुमारी शामिल थे. इन्होंने विभिन्न समसामयिक और शोध-उन्मुख विषयों पर अपने-अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये.